How To Worship Maa Baglamukhi ?

Shri Yogeshwaranand Ji
+919917325788, +919675778193
shaktisadhna@yahoo.com
www.anusthanokarehasya.com
www.baglamukhi.info
www.facebook.com/yogeshwaranandji

किसी भी साधना को प्रारम्भ करने से पहले गुरू का चयन करना परम आवश्यक है। इसलिए सर्वप्रथम अपने गुरू का चयन करें और उनसे दीक्षा लेकर उनकी आज्ञानुसार ही साधना सम्पन्न करें। बिना गुरू के पुस्तकों से पढ़कर कभी भी साधना एवं मन्त्र-जप नहीं करना चाहिए अन्यथा लाभ के स्थान पर हानि भी हो सकती है। किसी भी व्यक्ति को अपने गुरू, अपने मन्त्र एवं अपने इष्ट-देवता पर पूर्ण विश्वास रखते हुए समर्पण भाव से साधना सम्पन्न करनी चाहिए ।

भगवती बगलामुखी (पीताम्बरा) साधना-विधि

भगवती की साधना करने का विशिष्ट समय रात्रिकाल माना गया है इसलिए यदि हो सके तो रात्रि ६ बजे से २ बजे के बीच ही अपनी साधना करनी चाहिए । लेकिन यदि ऐसा सम्भव न हो सके तो अपने समय की स्थिति के अनुसार समय निर्धारण कर लेना चाहिए, क्योंकि कुछ ना करने से अच्छा कुछ कर लेना है।

यह साधना घर में रहकर ही सम्पन्न की जा सकती है। साधना का स्थान शान्त एवं मनोरम होना चाहिए । साधना में बैठने से पूर्व स्नान कर लें यदि सम्भव ना हो तो हाथ-पैर धो सकते हैं। इस

प्रकार बाहृय रूप से अपने आप को पवित्र कर लें। फिर पीले रंग का आसन बिछायें और स्वयं भी पीले वस्त्र धारण करें ।

इसके उपरान्त आसन पर बैठ जायें और मानसिक शुद्धि के लिए निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करें। अपने शरीर पर थोड़ा सा जल छिड़कें-

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः ।।
अतिनील घनश्यामं नलिनायतलोचनम् ।
स्मरामि पुण्डरीकाक्षं तेन स्नातो भवाम्यहम् ।।

इसके पश्चात आचमन करें ।

सीधे हाथ में थोड़ा सा जल लें एवं यह मन्त्र पढ़ते हुए पी जायें

ॐ केशवाय नमः ।

पुनः सीधे हाथ में थोड़ा सा जल लें एवं यह मन्त्र पढ़ते हुए पी जायें

ॐ नाराणाय नमः ।

पुनः सीधे हाथ में थोड़ा सा जल लें एवं यह मन्त्र पढ़ते हुए पी जायें

ॐ माधवाय नमः ।

यह मन्त्र पढ़ते हुए हाथ धो लें ।

ॐ हृषीकेशाय नमः ।

इसके पश्चात आसन के नीचे हल्दी से एक त्रिकोण बनायें एवं यह मन्त्र पढ़ते हुए प्रणाम करें-

ॐ कामरूपाय नमः।

इसके पश्चात अपने आसन पर थोड़ा सा जल छिड़कें और निम्नलिखित मन्त्र पढ़ें-

ॐ पृथ्वि ! त्वया धृता लोका देवि ! त्वं विष्णुना धृता ।
त्वं च धारय मां नित्यं ! पवित्रं कुरू चासनम् ।।
यह मन्त्र पढ़ते हुए आसन को प्रणाम करें-
क्लीं आधार शक्त्यै कमलासनाय नमः।

इसके बाद मूल मंत्र से १:८:४ के अनुपात से अनुलोम-विलोम प्राणायाम करें। अर्थात् एक मूल मंत्र से पूरक, आठ मंत्रों से कुम्भक तथा चार मंत्रों से रेचक करें। यह क्रिया जितनी अधिक से अधिक की जा सके, उतना ही अच्छा है।

अब अपने गुरू का ध्यान करते हुए उनकी वन्दना करें-
अखण्ड मण्डलाकारं व्यापतं येन चराचरम् ।
तत पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरूवे नमः ।।
अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानांजन शलाक्या ।
चक्षुरून्मीलितं येन तस्मै श्री गुरूवे नमः ।।
देवतायाः दर्शनं च करूणा वरूणालयं ।
सर्व सिद्धि प्रदातारं श्री गुरूं प्रणमाम्यहम् ।।
वराभय कर नित्यं श्वेत पद्म निवासिनं ।
महाभय निहन्तारं गुरू देवं नमाम्यहम् ।।

इसके उपरांत श्रीनाथ, गणपति, भैरव आदि का ध्यान करके उन्हें नमन करें, क्योंकि इनकी कृपा के अभाव में कोई भी साधना पूर्ण नहीं होती है-

श्री नाथादि गुरू त्रयं गणपतिं पीठ त्रयं भैरवं,
सिद्धौघं बटुक त्रयं पदयुगं दूतिक्रमं मण्डलम्।
वीरान्द्वयष्ट चतुष्कषष्टिनवकं वीरावली पंचकम्,
श्रीमन्मालिनि मंत्रराज सहितं वन्दे गुरोर्मण्डलम्।।
वन्दे गुरूपद-द्वन्द्ववांग-मन-सगोचरम्,
रक्त शुक्ल-प्रभा-मिश्रं-तर्क्यं त्रैपुरं महः !

गुरूदेव का ध्यान करने के उपरान्त निम्नांकित मंत्रों से देवी-देवताओं को नमस्कार करें-

ॐ श्री गुरूवे नमः ।

ॐ क्षं क्षेत्रपालाय नमः ।

ॐ वास्तु पुरूषाय नमः ।

ॐ विघ्न राजाय नमः ।

ॐ दुर्गाय नमः ।

ॐ विघ्न राजाय नमः ।

ॐ शम्भु शिवाय नमः ।

ॐ भैरवाय नमः ।

ॐ बटुकाये नमः ।

ॐ ब्रह्माये नमः ।

ॐ नैर्ऋतिये नमः ।

ॐ चक्रपाणाये नमः ।

ॐ विघ्न नाथाये नमः ।

ॐ ऋष्ये नमः ।

ॐ देवताये नमः ।

ॐ वेद शास्त्राये नमः ।

ॐ वेदार्थाय नमः ।

ॐ पुराणाये नमः ।

ॐ ब्राह्मणाये नमः ।

ॐ योगिन्यौ नमः ।

ॐ दिक्पालायै नमः ।

ॐ सिद्धपीठायै नमः ।

ॐ तीर्थायै नमः ।

ॐ मंत्र-तंत्र-यंत्रायै नमः ।

ॐ मातृकायै नमः ।

ॐ पंचभूतायै नमः ।

ॐ महाभूतायै नमः ।

ॐ सर्वेभ्यो देवेभ्यो नमः ।

ॐ सर्वाभ्यो देवीभ्यो नमः ।

ॐ सर्वेभ्यो ऋषिभ्यो नमः ।

इसके पश्चात भैरव जी से भगवती की आराधना करने की अनुमति लें
तीक्ष्णदन्त महाकाय कल्पान्तदहनोपम ।
भैरवाय नमस्तुभ्यम् अनुज्ञां दातुमर्हसि ।।

अब दस बार मुखशोधन मंत्र ऐं ह्रीं ऐं का जाप करें
इसके पश्चात बगलामुखी कुल्लुका ॐ ह्रूं क्ष्रौं का दस बार सिर पर जाप करें ।

इसके पश्चात मां का ध्यान करें

ध्यान

वादी मूकति रंकति क्षितिपतिर्वैश्वानरः शीतति।
क्रोधी शान्तति दुर्जनः सुजनति क्षिप्रानुगः खंजति।।
गर्वी खवर्ति सर्व विच्च जडति त्वद्‌यन्त्राणा यंत्रितः।
श्रीनित्ये बगलामुखि! प्रतिदिनं कल्याणि! तुभ्यं नमः।।

अब उनका आवाहन करें और उन्हे आसन प्रदान करें । इसके पश्चात मां का पंचोपचार अथवा शोडषोपचार पूजन करें। यह पूजन मानसिक रूप से भी किया जा सकता है । अब कवच का पाठ करें

Baglamukhi Kavach

ध्यान

सौवर्णासनसंस्थितां त्रिनयनां पीताशुकोल्लासिनीम् ।
हेमाभांगरुचिं शशांकमुकुटां सच्चम्पकस्रग्युताम् ।।
हस्तैर्मुदगर पाशवज्ररसनाः संबिभ्रतीं भूषणैः।
व्याप्तागीं बगलामुखीं त्रिजगतां संस्तम्भिनीं चिन्तयेत्।।

विनियोगः

ॐ अस्य श्रीबगलामुखीब्रह्मास्त्रमन्त्रकवचस्य भैरव ऋषिः, विराट् छन्दः श्रीबगलामुखी देवता, क्लीं बीजम्, ऐं शक्तिः, श्रीं कीलकं, मम परस्य च मनोभिलाषितेष्टकार्यसिद्धये विनियोगः ।

न्यास

शिरसि भैरव ऋषये नमः
मुखे विराट छन्दसे नमः
हृदि बगलामुखीदेवतायै नमः

गुह्ये क्लीं बीजाय नमः
पादयो ऐं शक्तये नमः
सर्वांगे श्रीं कीलकाय नमः
ॐ ह्लां अंगुष्ठाभ्यां नमः
ॐ ह्लीं तर्जनीभ्यां नमः
ॐ ह्लूं मध्यमाभ्यां नमः
ॐ ह्लैं अनामिकाभ्यां नमः
ॐ ह्लौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः
ॐ ह्लः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः
ॐ ह्लां हृदयाय नमः
ॐ ह्लीं शिरसे स्वाहा
ॐ ह्लूं शिखायै वषट्
ॐ ह्लैं कवचाय हुम
ॐ ह्लौं नेत्रत्रयाय वौषट्
ॐ ह्लः अस्त्राय फट्

मन्त्रोद्धारः

ॐ ह्लीं ऐं श्रीं क्लीं श्रीबगलानने मम रिपून् नाशय नाशय मामैश्वर्याणि देहि देहि, शीघ्रं मनोवाञ्छितं कार्यं साधय साधय ह्लीं स्वाहा।

कवच

शिरो मे पातु ॐ ह्लीं ऐं श्रीं क्लीं पातु ललाटकम् ।
सम्बोधनपदं पातु नेत्रे श्री बगलानने ।।1।।
श्रुतौ मम् रिपुं पातु नासिकां नाशयद्वयम् ।
पातु गण्डौ सदा मामैश्वर्याण्यन्तं तु मस्तकम् ।।2।।
देहि द्वन्द्वं सदा जिहवां पातु शीघ्रं वचो मम ।

कण्ठदेशं मनः पातु वाञ्छितं बाहुमूलकम् ।।3।।
कार्यं साधयद्वन्द्वं तु करौ पातु सदा मम ।
मायायुक्ता यथा स्वाहा हृदयं पातु सर्वदा ।।4।।
अष्टाधिकचत्वारिंशदण्डाढया बगलामुखी ।
रक्षां करोतु सर्वत्र गृहेऽरण्ये सदा मम ।।5।।
ब्रह्मास्त्राख्यो मनुः पातु सर्वांगे सर्वसन्धिषु ।
मन्त्रराजः सदा रक्षां करोतु मम सर्वदा ।।6।।
ॐ ह्लीं पातु नाभिदेशं कटिं मे बगलाऽवतु ।
मुखिवर्णद्वयं पातु लिगं मे मुष्कयुग्मकम् ।।7।।
जानुनी सर्वदुष्टानां पातु मे वर्णपञ्चकम् ।
वाचं मुखं तथा पादं षड्वर्णाः परमेश्वरी ।।8।।
जंघायुग्मे सदापातु बगला रिपुमोहिनी ।
स्तम्भयेति पदं पृष्ठं पातु वर्णत्रय मम ।।9।।
जिह्वावर्णद्वयं पातु गुल्फौ मे कीलयेति च ।
पादोर्ध्वं सर्वदा पातु बुद्धिं पादतले मम ।।10।।
विनाशयपदं पातु पादांगुल्योंनखानि मे ।
ह्लीं बीजं सर्वदा पातु बुद्धिन्द्रियवचांसि मे ।।11।।
सर्वांगं प्रणवः पातु स्वाहा रोमाणि मेऽवतु ।
ब्राह्मी पूर्वदले पातु चाग्नेय्यां विष्णुवल्लभा ।।12।।
माहेशी दक्षिणे पातु चामुण्डा राक्षसेऽवतु ।
कौमारी पश्चिमे पातु वायव्ये चापराजिता ।।13।।
वाराही च उत्तरे पातु नारसिंही शिवेऽवतु ।
ऊर्ध्वं पातु महालक्ष्मीः पाताले शारदाऽवतु ।।14।।
इत्यष्टौ शक्तयः पान्तु सायुधाश्च सवाहनाः ।
राजद्वारे महादुर्गे पातु मां गणनायकः ।।15।।
श्मशाने जलमध्ये च भैरवश्च सदाऽवतु ।

द्विभुजा रक्तवसनाः सर्वाभरणभूषिताः ।।16।।
योगिन्यः सर्वदा पान्तु महारण्ये सदा मम ।

फलश्रुति

इति ते कथितं देवि कवचं परमाद्भुतम् ।।17।।
श्रीविश्वविजयं नाम कीर्तिश्रीविजयप्रदाम् ।
अपुत्रो लभते पुत्रं धीरं शूरं शतायुषम् ।।18।।
निर्धनो धनमाप्नोति कवचास्यास्य पाठतः ।
जपित्वा मन्त्रराजं तु ध्यात्वा श्री बगलामुखीम् ।।19।।
पठेदिदं हि कवचं निशायां नियमात् तु यः ।
यद् यत् कामयते कामं साध्यासाध्ये महीतले ।।20।।
तत् तत् काममवाप्नोति सप्तरात्रेण शंकरि ।
गुरुं ध्यात्वा सुरां पीत्वा रात्रो शक्तिसमन्वितः ।।21।।
कवचं यः पठेद् देवि तस्यासाध्यं न किञ्चन ।
यं ध्यात्वा प्रजपेन्मन्त्रं सहस्त्रं कवचं पठेत् ।।22।।
त्रिरात्रेण वशं याति मृत्योः तन्नात्र संशयः ।
लिखित्वा प्रतिमां शत्रोः सतालेन हरिद्रया ।।23।।
लिखित्वा हृदि तन्नाम तं ध्यात्वा प्रजपेन् मनुम् ।
एकविंशददिनं यावत् प्रत्यहं च सहस्त्रकम् ।।24।।
जपत्वा पठेत् तु कवचं चतुर्विंशतिवारकम्।
संस्तम्भं जायते शत्रोर्नात्र कार्या विचारणा।।25।।
विवादे विजयं तस्य संग्रामे जयमाप्नुयात् ।
श्मशाने च भयं नास्ति कवचस्य प्रभावतः ।।26।।
नवनीतं चाभिमन्त्रय स्त्रीणां दद्यान्महेश्वरि ।
वन्ध्यायां जायते पुत्रो विद्याबलसमन्वितः ।।27।।
श्मशानांगारमादाय भौमे रात्रौ शनावथ ।
पादोदकेन स्पृष्ट्वा च लिखेत् लोहशलाकया ।।28।।

भूमौ शत्रोः स्वरुपं च हृदि नाम समालिखेत् ।
हस्तं तद्धृदये दत्वा कवचं तिथिवारकम् ।।29।।
ध्यात्वा जपेन् मन्त्रराजं नवरात्रं प्रयत्नतः ।
म्रियते ज्वरदाहेन दशमेंऽहनि न संशयः ।।30।।
भूर्जपत्रेष्विदं स्तोत्रमष्टगन्धेन संलिखेत् ।
धारयेद् दक्षिणे बाहौ नारी वामभुजे तथा ।।31।।
संग्रामे जयमप्नोति नारी पुत्रवती भवेत् ।
सम्पूज्य कवचं नित्यं पूजायाः फलमालभेत् ।।32।।
ब्रह्मास्त्रादीनि शस्त्राणि नैव कृन्तन्ति तं जनम् ।
वृहस्पतिसमो वापि विभवे धनदोपमः ।।33।।
कामतुल्यश्च नारीणां शत्रूणां च यमोपमः ।
कवितालहरी तस्य भवेद् गंगाप्रवाहवत् ।।34।।
गद्यपद्यमयी वाणी भवेद् देवी प्रसादतः ।
एकादशशतं यावत् पुरश्चरणमुच्यते ।।35।।
पुरश्चर्याविहीनं तु न चेदं फलदायकम् ।
न देयं परशिष्येभ्यो दुष्टेभ्यश्च विशेषतः ।।36।।
देयं शिष्याय भक्ताय पञ्चत्वं चान्यथाऽऽप्नुयात् ।
इदं कवचमज्ञात्वा भजेद् यो बगलामुखीम् ।।37।।
शतकोटिं जपित्वा तु तस्य सिद्धिर्न जायते ।
दाराढयो मनुजोऽस्य लक्षजपतः प्राप्नोति सिद्धिं परां ।।38।।
विद्यां श्रीविजयं तथा सुनियतं धीरं च वीरं वरम् ।
ब्रह्मास्त्राख्यमनुं विलिख्य नितरां भूर्जेऽष्टगन्धेन वै ।।39।।
धृत्वा राजपुरं व्रजन्ति खलु ते दासोऽस्ति तेषां नृपः ।
इति श्रीविश्वसारोद्धारतन्त्रे पार्वतीश्वरसंवादे
बगलामुखी कवचम्
सम्पूर्णम्

यहां तक की पूजा भगवती के सभी मंत्रो के लिए समान होती है । इसके पश्चात भिन्न भिन्न मंत्रो की अलग अलग विधियां है ।

Ma Baglamukhi Beej Mantra Sadhana Vidhi
माँ बगलामुखी बीज मंत्र (एकाक्षरी मंत्र) साधना विधि

मां बगलामुखी के प्रत्येक साधक को अपनी साधना बीज मन्त्र से ही प्रारम्भ करनी चाहिये । सर्वप्रथम अपने गुरू देव से इस मन्त्र की दीक्षा प्राप्त करनी चाहिये। उसके उपरान्त साधना सम्बन्धी सभी नियमो का पालन करते हुए इस मन्त्र का हल्दी की माला से एक लक्ष जाप करना चाहिये । जाप के पश्चात दस हजार मन्त्रो से हवन एक हजार मन्त्रो से तर्पण १०० मन्त्रो से मार्जन तथा अन्त में ग्यारह ब्राहमणो को भोजन कराना चाहिये। इस प्रकार एक लाख का पुरश्चरण पूर्ण हो जाता है। इस प्रकार गुरू आदेशानुसार अपना अनुष्ठान सम्पन्न करना चाहिये। मा पीताम्बरा की साधना में एक बात ध्यान रखनी बहुत ही आवश्यक है कि मां पीताम्बरा की पूजा प्रारम्भ करने से पहले भैरव जी से आज्ञा अवश्य लेनी चाहिये एवं मां पीताम्बरा की कुल्लुका **ॐ हूं क्ष्रौं** का सिर पर दस बार जाप तथा **ऐं ह्रीं ऐं** का दस बार जाप अवश्य करना चाहिए। पूजा समाप्त करने के बाद मृत्युजंय मन्त्र **हौं जूं सः** का जाप अवश्य करना चाहिये। प्रत्येक दिन जाप आरम्भ करने से पहले विनियोग करें एवं उसके पश्चात न्यास ध्यान एवं कवच करने के पश्चात ही मन्त्र जाप प्रारम्भ करें ।

मन्त्रः-   ह्लीं   (Hlreem)

दाहिने हाथ में जल लेकर विनियोग करें।

विनियोग

ॐ अस्य एकाक्षरी बगला मंत्रस्य ब्रह्म ऋषिः, गायत्री छन्दः, बगलामुखी देवताः, लं बीजं, ह्रीं शक्ति, ईं कीलकं, मम सर्वार्थ सिद्धयर्थे जपे विनियोगः।

ऋष्यादिन्यासः-

ॐ ब्रह्म ऋषये नमः शिरसि।
गायत्री छंदसे नमः मुखे।
श्री बगलामुखी देवतायै नमः हृदि।
लं बीजाय नमः गुह्ये।
ह्रीं शक्तये नमः पादयोः।
ईं कीलकाय नमः सर्वांगे।
श्री बगलामुखी देवताम्बा प्रीत्यर्थे जपे विनियोगाय नमः अंजलौ।

षडंगन्यासः-

ॐ ह्लां हृदयाय नमः।
ॐ ह्लीं शिरसे स्वाहा।
ॐ ह्लूं शिखाय वषट्।
ॐ ह्लैं कवचाय हूं।
ॐ ह्लौं नेत्र त्रयाय वौषट्।

ॐ ह्लः अस्त्राय फट्।

करन्यासः-

ॐ ह्लां अंगुष्ठाभ्यां नमः।
ॐ ह्लीं तर्जनीभ्यां स्वाहा।
ॐ ह्लूं मध्यमाभ्यां वषट्।
ॐ ह्लैं अनामिकाभ्यां हूं।
ॐ ह्लौं कनिष्ठिकाभ्यां वौषट्।
ॐ ह्लः करतल-कर-पृष्ठाभ्यां फट्।

अब हल्रीं मंत्र का संकल्प के अनुसार जप करना चाहिए ।
जप के पश्चात मृत्युजंय मंत्र हौं जूं सः का जाप करना चाहिए ।

Ma Baglamukhi Mool Mantra S adhana Vidhi
मां बगलामुखी मूल मंत्र (36 अक्षरी मन्त्र) साधना विधि

ॐ मध्ये सुधाब्धि-मणि-मण्डप-रत्न-वेद्यां।
सिंहासनो-परिगतां परिपीत वर्णाम्।।
पीताम्बरा-भरण-माल्य-विभूषितांगीं।
देवीं भजामि धृत मुद्गर वैरि जिह्वाम् ।।

जिह्वाग्रमादाय करेण देवीं ! वामेन् शत्रून् परिपीडयंतीम्
गदाभिघातेन् च दक्षिणेन्, पीताम्बराढ्यां द्विभुजां नमामि ।।

मन्त्रोद्धार

प्रणवं स्थिरमायां च ततश्च बगलामुखीम् ।
तदन्ते सर्व दुष्टानां ततो वाचं मुखं पदं ।।
स्तम्भयेति ततो जिहवां कीलयेति पद्वयम् ।
बुद्धिं नाशय पश्चात्तु स्थिरमायां समालिखेत् ।।
लिखेच्च पुनरोंकार स्वाहेति पदमन्ततः ।
षटत्रिंशदक्षरी विद्या सर्वसम्पतकरी मता ।

विनियोग

सीधे हाथ में जल लेकर मंत्र पढें

ॐ अस्य श्री बगलामुखी मन्त्रस्य नारदऋषि त्रिष्टुप छन्दः बगलामुखी देवता, ह्लीं बीजम् स्वाहा शक्तिः ममाभिष्ट सिद्धयर्थे जपे विनियोगः ।

ऋष्यादिन्यास

नारद ऋषये नमः शिरसि । (सिर पर दाहिने हाथ से छुएं)
त्रिष्टुप छन्दसे नमः मुखे । (मुंह को छुएं)
बगलामुखी देवतायै नमः हृदि । (हृदय को छुएं)
ह्लीं बीजाय नमः गुह्ये । (गुह्यांग पर स्पर्श करें)
स्वाहा शक्तये नमः पादयो । (पैरो को स्पर्श करें)

करन्यास

ॐ ह्लीं अंगुष्ठाभ्यां नमः । (दोनो हाथो के अंगुठो को मिलायें)
बगलामुखी तर्जनीभ्यां स्वाहा । (दोनो हाथो की प्रथम अंगुली को मिलायें)
सर्व दुष्टानां मध्यमाभ्यां वषट् । (दोनो हाथो की मध्यमा अंगुली को मिलायें)
वाचं मुखं पदं स्तम्भय अनामिकाभ्यां हुम् । (दोनो हाथो की अनामिका अंगुली को मिलायें)
जिह्वां कीलय कनिष्ठिकाभ्यां वौषट् । (दोनो हाथो की कनिष्ठिका अंगुली को मिलायें)
बुद्धिं विनाशय ह्लीं ॐ स्वाहा । (दोनों हथेलियों के आगे व पीछे के भागों का स्पर्श करें)

हृदयायदि न्यास

ॐ ह्लीं हृदयाय नमः । (हृदय को दाहिने हाथ से स्पर्श करें)
बगलामुखी शिरसे स्वाहा । (सिर का स्पर्श करें)
सर्व दुष्टानां शिखायै वषट् । (शिखा का स्पर्श करें)
वाचं मुखं पदं स्तम्भय कवचाय हुम् । (दायें हाथ से बायें कन्धें को एवं बायें हाथ से दायें कन्धें को एक साथ स्पर्श करें)
जिह्वां कीलय् नेत्र त्रयाय वौषट । (तीनों नेत्रो का स्पर्श करें)

बुद्धिं विनाशय ह्लीं ॐ स्वाहा अस्त्राय फट् (सिर के पीछे से तीन बार चुटकी बजाते हुये घड़ी की दिशा मे हाथ आगे लेकर आयें उसके बाद तर्जनी व मध्यमा से तीन बार ताली बजायें)

बगलामुखी मूल मंत्र (Baglamukhi Mool Mantra)
ॐ ह्रीं बगलामुखि सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय जिह्वां कीलय बुंद्धिं विनाशय ह्रीं ॐ स्वाहा।

OM HLREEM BAGALAMUKHI SARVA DUSHTANAM VACHAM MUKHAM PADAM STAMBHAYA JIVHAM KEELAYA BUDDHIM VINASHAYA HLREEM OM SWAHA

For Pronounciation of mantra visit
http://www.youtube.com/watch?v=Fwekx1hDarA

मां पीताम्बरा के अन्य पाठ

बगलामुखी कवच **(Baglamukhi Kavach)**

श्री भैरवी उवाच :–
श्रुत्वा च बगलापूजां स्तोत्रं चापि महेश्वर ।
इदानीं श्रोतुमिच्छामि कवच वदः मे प्रभो ।।
वैरिनाशकरं दिव्यं सर्वाशुभविनाशनम् ।
शुभदं स्मरणात् पुण्यं, त्राहि मां दुःखनाशन ।।

श्री भैरव उवाच :–

कवचं शृणु वक्ष्यामि भैरवि प्राणवल्लभे ! ।
पठित्वां धारयित्वां तु त्रैलोक्ये विजयी भवेत् ।।

विनियोग :–

ॐ अस्य श्री बगलामुखी कवचस्य नारद ऋषिः, अनुष्टुप् छन्दः, श्री बगलामुखी देवता, लं बीजं, ईं शक्तिं, ऐं कीलकम् , पुरूषार्थ चतुष्टये जपे विनियोगः ।

शिरो मे बगला पातु हृदयमेकाक्षरी परा ।
ॐ ह्रीं ॐ मे ललाटे च बगला वैरिनाशिनी ।।
गदाहस्ता सदा पातु मुखं मे मोक्षदायिनी ।
वैरिजिह्वा धरा कण्ठं मे बगलामुखी ।।
उदरं नाभिदेशं च पातु नित्यं परात् परा ।
परात् परतरा पातु मम गुह्यम सुरेश्वरी ।।
हस्तौ चैव तथा पातु पार्वती परिपातु मे ।
विवादे विषमे घोरे संग्रामे रिपुसंकटे ।।
पीताम्बरधरा पातु सर्वांगं शिवनर्तकी ।
श्रीविद्या समयं पातु मातंगी पूरिता शिवा ।।
पातु पुत्रं सुतां चैव कलत्रं कालिका मम ।
पातु नित्यं भ्रातरं मे पितरं शूलिनी सदा ।।
रन्ध्रे हि बगलादेव्याः कवच मन्मुखोदितम् ।
न वै देयममुख्याय सर्वसिद्धिप्रदायकम् ।।
पठनाद् धारणादस्य पूजनाद् वांछितं लभेत् ।

इदं कवचं ज्ञात्वा यो जपेद् बगलामुखीम्।।
पिवन्ति शोणितं तस्य योगिन्यः प्राप्य सादरा ।
वश्ये चाकर्षणे चैव मारणे मोहने तथा ।।
महाभये विपत्तौ च पठेद् वा पाठये तु य :।
तस्य सर्वार्थसिद्धिः स्याद् भक्तियुक्तस्य पार्वति ।।

अष्टोत्तर शतनाम
108 Names of Ma Baglamukhi

विनियोग **:**

अस्य श्रीपीताम्बर्य अष्टोत्तर शतनाम स्तोत्रस्य, सदा शिव ऋषिः, अनुष्टुप छन्दः, श्री पीताम्बरी देवता, श्री पीताम्बरी प्रीतये जपे विनियोगः ।

पाठ

ॐ बगला विष्णु –वनिता विष्णु शंकर–भामिनी।
बहुला वेदमाता च महाविष्णु–प्रसुरपि ।।1।।
महामत्स्या महाकूर्मा महावाराह–रूपिणी ।
नरसिंह प्रिया रम्या वामना बटुरूपिणी ।।2।।
जामदग्न्य–स्वरूपा च रामा राम प्रपूजिता ।
कृष्णा कपर्दिनी कृत्या कलहा कलविकारिणी ।।3।।
बुद्धिरूपा बुद्धभार्या बौद्धपाखण्ड–खण्डिनी ।
कल्किरूपा कलिहारा कलिदुर्गति–नाशिनी ।।4।।
कोटिसूर्य–प्रतिकाशा कोटि कन्दर्प–मोहिनी ।

केवला कठिना काली कला कैवल्यदायिनी ।।5
केशवी केशवाराध्या किशोरी केशवस्तुता ।
रूद्ररूपा रूद्रमूर्ति रूद्राणी रूद्रदेवता ।।6।।
नक्षत्ररूपा नक्षत्रा नक्षत्रेश–प्रपूजिता ।
नक्षत्रेशप्रिया नित्या नक्षत्रपति–वन्दिता ।।7।।
नागिनी नागजननि नागराज प्रवन्दिता ।
नागेश्वरी नागकन्या नागरी च नगात्मजा ।।8।।
नगाधिराज–तनया नगराज–प्रपूजिता ।
नवीना नीरदा पीता श्यामा सौन्दर्यकारिणी ।।9।।
रक्ता नीला घना शुभ्रा श्वेता सौभाग्यदायिनी ।
सुन्दरी सौभगा सौम्या स्वर्णभा स्वर्गतिप्रदा ।।10।।
रिपुत्रासकरी रेखा शत्रु संहारकारिणी ।
भामिनी च तथा माया स्तम्भिनी मोहिनी शुभा।।12।।
रागध्वंसकरी रात्रि रौरव–ध्वसंकारिणी ।
यक्षिणी सिद्धनिवहा सिद्धेशा सिद्धिरूपिणी ।।13।।
लंकापति–ध्वसंकरी लंकेशरिपु–वन्दिता ।
लंकानाथ – कुलहरा महारावणहारिणी ।।14।।
देव–दानव–सिद्धौघ–पूजिता परमेश्वरी ।
पराणुरूपा परमा परतन्त्रविनाशिनी ।।15।।
वरदा वरदाराध्या वरदान–परायणा ।
वरदेशप्रिया वीरा वीरभूषण–भूषिता ।।16।।
वसुदा बहुदा वाणी ब्रह्मरूपा वरानना ।
बलदा पीतवसना पीतभूषण–भूषिता ।।17।।
पीतपुष्प–प्रिया पीतहारा पीतस्वरूपिणी
मॉं पीताम्बरायै नमः ।।18।।

(Baglamukhi Mala Mantra)
बगलामुखी माला मंत्र

पाठ

ॐ नमो भगवती ॐ नमो वीर प्रताप विजय भगवति बगलामुखि मम सर्व निन्दकानां सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय–स्तम्भय ब्राह्मीं मुद्रय–मुद्रय, बुद्धिं विनाशय–विनाशय, अपरबुद्धिं कुरू–कुरू, आत्मविरोधिनां शत्रुणां शिरो–ललाट–मुख–नेत्र–कर्ण–नासिकोरू–पद–अणुरेशु–दन्तोष्ठ –जिह्वां–तालु–गुह्य–गुद–कटि–जानू–सर्वांगेषु–केशादिपादपर्यन्तं–पादादिकेशपर्यन्तं स्तम्भय स्तम्भय, खें खीं मारय मारय परमन्त्र परयन्त्र परतन्त्राणि छेदय–छेदय, आत्ममन्त्र–यन्त्र–तन्त्राणि रक्ष–रक्ष, ग्रहं निवारय–निवारय, व्याधिं विनाशय–विनाशय, दुःखं हर–हर, दारिद्रयं निवारय–निवारय, सर्वमन्त्र स्वरूपिणी, सर्वतन्त्रस्वरूपिणी, सर्वशिल्प प्रयोग स्वरूपिणी, सर्व तत्व स्वरूपिणी, दुष्ट ग्रह–भूतग्रह–आकाशग्रह–पाषाणग्रह–सर्वचाण्डाल ग्रह–यक्ष किन्नर किम्पुरूष ग्रह, भूत प्रेत पिशाचानां शाकिनी डाकिनी ग्रहाणां पूर्वदिशां बन्धय–बन्धय, वार्तालि मां रक्ष–रक्ष, दक्षिण दिशां बन्धय–बन्धय किरातवार्ताली मां रक्ष–रक्ष, पश्चिम दिशां बन्धय–बन्धय स्वप्न वार्तालि मां रक्ष–रक्ष, उत्तर दिशां बन्धय–बन्धय कालि मां रक्ष–रक्ष, उर्ध्व दिशं बन्धय–बन्धय उग्रकालि मां रक्ष–रक्ष, पाताल दिशं बन्धय–बन्धय बगला

परमेश्वरि मां रक्ष–रक्ष, सकल रोगान् विनाशय–विनाशय, सर्वशत्रु पलायनाय पंचयोजन मध्ये, राज–जन–स्त्री–वशतां कुरू–कुरू, शत्रुन् दह–दह, पच–पच, स्तम्भय–स्तम्भय, मोहय–मोहय, आकर्षय–आकर्षय, मम शत्रून् उच्चाटय–उच्चाटय हुं फट् स्वाहा ।

BRAHMASTRA MALA MANTRA
ब्रह्मास्त्र माला मंत्र

बिना गुरु की आज्ञा के इस पाठ को कभी भी नही करना चाहिये । भगवती के इस पाठ को गुरु मुख से लेने के पश्चात ही प्रयोग करें । इस पाठ को शिवालय ,भगवती के मन्दिर अथवा शमशान में ही करना चाहिये ।

ॐ नमो भगवति चामुण्डे नरकंक गृधोलूक परिवार सहिते श्मशानप्रिये नररूधिर मांस चरू भोजन प्रिये सिद्ध विद्याधर वृन्द वन्दित चरणे ब्रह्मेश विष्णु वरूण कुबेर भैरवी भैरवप्रिये इन्द्रक्रोध विनिर्गत शरीरे द्वादशादित्य चण्डप्रभे अस्थि मुण्ड कपाल मालाभरणे शीघ्र दक्षिण दिशि आगच्छ-आगच्छ, मानय-मानय नुद-नुद अमुकं (अमुकं के स्थान पर अपने शत्रु का नाम लें) मारय-मारय, चूर्णय-चूर्णय, आवेशयावेशय त्रुट-त्रुट, त्रोटय-त्रोटय, स्फुट-स्फुट, स्फोटय-स्फोटय, महाभूतान जृम्भय- जृम्भय, ब्रह्मराक्षसान-उच्चाटयोच्चाटय भूत प्रेत पिशाचान् मूर्छय- मूर्छय, मम शत्रून् उच्चाटयोच्चाटय, शत्रून् चूर्णय-चूर्णय, सत्यं कथय-कथय, वृक्षेभ्यः सन्नाशय-सन्नाशय, अर्कं स्तम्भय-स्तम्भय गरूड़ पक्षपातेन विषं निर्विषं कुरू-कुरू,

लीलांगालय वृक्षेभ्यः परिपातय-परिपातय शैलकाननमहीं मर्दय-मर्दय, मुखं उत्पाटयोत्पाटय, पात्रं पूरय-पूरय ,भूत भविष्यं यत्सर्वं कथय- कथय कृन्त-कृन्त दह-दह, पच पच ,मथ-मथ, पृमथ- पृमथ ,घर्घर-घर्घर ग्रासय-ग्रासय, विद्रावय-विद्रावय उच्चाटयोच्चाटय विष्णु चक्रेण वरूण पाशेन, इन्द्रवज्रेण, ज्वरं नाशय-नाशय, प्रविदं स्फोटय-स्फोटय, सर्व शत्रुन् मम वशं कुरू-कुरू पातालं पृत्यंतरिक्षं आकाशग्रहं आनयानय, करालि, विकरालि, महाकालि, रूद्रशक्ते पूर्व दिशं निरोधय-निरोधय ,पश्चिम दिशं स्तम्भय-स्तम्भय ,दक्षिण दिशं निधय-निधय, उत्तर दिशं बन्धय-बन्धय, ह्लां ह्लीं ॐ बंधय-बंधय ज्वालामालिनी स्तम्भिनी मोहिनी मुकुट विचित्र कुण्डल नागादि, वासुकी कृतहार भूषणे मेखला चन्द्रार्कहास प्रभंजने विद्युत्स्फुरित सकाश साट्टहासे निलय-निलय हुं फट्-फट्, विजृम्भित शरीरे सप्तद्वीपकृते, ब्रह्माण्ड विस्तारित स्तनयुगले असिमुसल परशुतोमरक्षुरिपाशहलेषु वीरान शमय-शमय, सहस्रबाहु परापरादि शक्ति विष्णु शरीरे शंकर हृदयेश्वरी बगलामुखी सर्व दुष्टान् विनाशय-विनाशय हुं फट् स्वाहा। ॐ ह्लीं बगलामुखि ये केचनापकारिणः सन्ति तेषां वाचं मुखं पदं स्तम्भय-स्तम्भय जिह्वां कीलय-कीलय बुद्धिं विनाशय-विनाशय ह्लीं ॐ स्वाहा। ॐ ह्लीं ह्लीं हिली-हिली अमुकस्य (अमुकस्य के स्थान पर शत्रु का नाम लें) वाचं मुखं पदं स्तम्भय शत्रुं जिह्वां कीलय शत्रुणां दृष्टि मुष्टि गति मति दंत तालु जिह्वां बंधय-बंधय मारय-मारय, शोषय-शोषय हुं फट् स्वाहा ।

....

SHRI BAGLAMUKHI-NAMARCHANA
(Offering to the Names of Shri Baglamukhi)

In the previous chapter I have given 108 names of Bhagwati Baglamukhi in the form of hymn to be recited. Here I am presenting more than 1008 names of Ma. To get the grace and pleasure of Her Highness we may use these names in two ways.

The first method is only to recite the names including the word "Namah". Here we offer to Her only respect and love saying "Namah".

In the second method we make offerings at Her lotus feet with the word "Namah". The things which may be used in offering are:

-Champak or any fragranced yellow flowers
-Dry grapes
-Almonds
-Currant,
-Yellow oleander &
-Cashew Nuts etc.

In this process we pronounce one name including NAMAH and offer one piece out of above mentioned things one by one. By this method PARAMBA (the Great Mother) showers Her grace on the devotee. Here I am not giving the translation of the names as they are to be spoken in their original form.

OM SHRI GURUVE NAMAH.
OM SHRI GANPATAYE NAMAH.

VINIYOGA

At first take some water in your right palm and read the following viniyoga.

ॐ श्री गुरूवे नमः ।।   ॐ श्री गणपतये नमः ।।

विनियोगः– ॐ अस्य श्री बगलामुखी–सहस्त्रनाम स्तोत्र–मन्त्रस्य भगवान सदाशिव ऋषिः, अनुष्टुप छन्दः, श्री जगद्‌वश्यकरी बगलामुखी देवता, सर्वाभिष्ट सिद्धये जपे (नामार्चने) विनियोगः ।

"Om, Asya Shri Baglamukhi-sahastra-nama-stotra-mantrasya Bhagwana Sada-Shiva rishi, anushtupa chhandah, shri Jagada-vashya-kari Baglamukhi Devata, sarva-abhishta siddaye namarchane viniyogah."

Reading this viniyoga leave the water on earth and read the following meditation:

ध्यान

सौवर्णासन संस्थितां त्रिनयनां पितांशुकोल्लासिनीम् ।
हेमाभांगरूचिं शशांक मुकुटं सच्चम्पक–स्रगयुताम्।।
हस्तैर्मुद्‌गर–पाश–वज्र रसनां सम्बिभ्रतीं भूषणै–,
र्व्याप्तांगीं बगलामुखि त्रिजगताम् संस्तम्भिनीं चिन्तयेत्।।

**" Sovarnasana-sansthimam trinayanam pitanshukollasini,
Hema-bhang-ruchim shashanka-mukutama
sachchampaka-sragayutama.
Hastair-mudgara-pasha-baddha-rasanam sambi-bhrateem
bhushanair-vyapatangeem baglamukheem tri-jagatam
sanstambhneem chintayet".**

The 1108 names of Maa Bagalamukhi

1. Om Brahmastraye namah. (Saying so offer one piece).

2. Om Brahma-vidhyaye namah.
3. OM Brahma-matre namah.
4. Om Sanatanye namah.
5. Om Brahmeshyai namah.
6. Om Brahm-kaivalyaye namah.
7. Om Bagalaye namah.
8. Om Brahm-charinai namah.
9. Om nitya-nandaye namah.
10. Om nitya-siddhyaye namah.
11. Om nitya-rupaye namah.
12. Om niramayaye namah.
13. Om sandharinyai namah.
14. Om maha-mayaye namah.
15. Om Kataksha-kshem-karinai namah.
16. Om kamalayai namah.
17. Om Vimalayai namah.
18. Om leelayai namah.
19. Om Ratna-kanti-guna-ashritayai namah.
20. Om kama-priyayai namah.
21. Om kama-ratayai namah.
22. Om kamayai namah.
23. Om Kama-swarupinyai namah.
24. Om mangalayai namah.
25. Om Vijayayai namah.
26. Om Jayayai namah.
27. Om sarva-mangal-karinyai naham.
28. Om kaminyai namah.
29. Om kamini-kamyayai namah.
30. Om kamukayai namah.
31. Om kama-charinyai namah.
32. Om kamakhyayai namah.
33. Om Kam-beeja-sthayai namah.

34. Om kama-peethha-nivasinyai namah.
35. Om Kama-dayai namah.
36. Om Kama-hayai namah.
37. Om Kalyai Namah .
38. Om Kapalyai Namah.
39. Om Karalikayai namah.
40. Om kansaraye namah.
41. Om Kamalayai namah.
42. Om Kamalyai namah .
43. Om Kailasheshwara-Vallabhayai namah.
44. Om Katyayanyai namah.
45. Om Keshavayai namah.
46. Om Karunayai namah.
47. Om Kama-keli-bhuge namah.
48. Om Kriyaye namah.
49. Om Kirtyai namah.
50. Om Krattikayai namah.
51. Om Kashikayai namah.
52. Om Madhurayai namah.
53. Om Shivayai namah.
54. Om Kalakshayai namah.
55. Om kalikayai namah.
56. Om Kalyai namah.
57. Om Dhavalanana-sundaryai namah.
58. Om Khecharyai namah.
59. Om Khamurtaye namah.
60. Om Khsudrayai namah.
61. Om Khsudra-kshuda-varayai namah.
62. Om Kharaga-hastayai namah.
63. Om Kharaga-ratayai namah.
64. Om Kharaginyai namah.
65. Om Kharpar-priyayai namah.

66. Om Gangayai namah.
67. Om Goryai namah.
68. Om Gaminyai namah.
69. Om Geetayai namah.
70. Om Gotra-vivardhinyai namah.
71. Om Goharayai namah.
72. Om Gokarayai namah.
73. Om Godhayai namah.
74. Om Gandharvapur-vashinyai namah.
75. Om Gandharvayai namah.
76. Om Gandharva-kalayai namah.
77. Om Gopatyai namah.
78. Om Garudasanayai namah.
79. Om Govind-Bhavayai namah.
80. Om Govindayai namah.
81. Om Gandharyai namah.
82. Om Gandha-madinyai namah.
83. Om Gorangyai namah.
84. Om Gopika-murataye namah.
85. Om Gopi-goshtthi-nivasinyai namah.
86. Om Gandhayai namah.
87. Om Gajendra-gayai namah.
88. Om manyayai namah.
89. Om Gadadhar-priyayai namah.
90. Om Grahayai namah.
91. Om Ghora-ghorayai namah.
92. Om Ghora-rupayai namah.
93. Om Ghana-shronnyai namah.
94. Om Ghana-prabhayai namah.
95. Om Daityendra-prablayai namah.
96. Om Ghanta-vadinyai namah.
97. Om Ghora-nisvanayai namah.

98. Om Dakinyai namah.
99. Om Umayai namah.
100. Om Upendrayai namah.
101. Om Urvashyai namah.
102. Om Urgasnayai namah.
103. Om Uttamayai namah.
104. Om Unnatayai namah.
105. Om Unnayai namah.
106. Om Uttam-sthan-vasinyai namah.
107. Om Chamundayai namah.
108. Om Mundikayai namah.
109. Om Chandyai namah.
110. Om Chanda-darp-harayai namah.
111. Om Ugra-chandayai namah.
112. Om Chanda-chandayai namah.
113. Om Chanda-daitya-vinashinyai namah.
114. Om chanda-rupayai namah.
115. Om Prachandayai namah.
116. Om Chandayai namah.
117. Om Chanda-saririnyai namah.
118. Om Chatur-bhujayai namah.
119. Om Suchandayai namah.
120. Om Charachar-nivasinyai namah.
121. Om Prayash-chhatra-shiro-vahayai namah.
122. Om Chhalayai namah.
123. Om Chhala-tarayai namah.
124. Om Chhalyai namah.
125. Om Khatra-rupayai namah.
126. Om Khatra-dharayai namah.
127. Om Khatriya-khaya-karinyai namah.
128. Om Jayayai namah.
129. Om Jai-durgayai namah.

130. Om Jayantayai namah.
131. Om Jaidayai namah.
132. Om Parayai namah.
133. Om Jaayinyai namah.
134. Om Jayinyai namah.
135. Om Jyotsnayai namah.
136. Om Jatadhara priyayai namah.
137. Om Jitayai namah.
138. Om Jitendriyayai namah.
139. Om Jit-krodhayai namah.
140. Om jai-manayai namah.
141. Om Janeshvaryai namah.
142. Om Jit-mratyave namah.
143. Om Jaratitayai namah.
144. Om Jahanvyai namah.
145. Om janakatmjayai namah.
146. Om Jhankarayai namah.
147. Om jhanjharyai namah.
148. Om Jhantayai namah.
149. Om Jhankaryai namah.
150. Om Jhaka-shobhinyai namah.
151. Om Jhakhayai namah.
152. Om Jhabhashayai namah.
153. Om Jhinkaryai namah.
154. Om Yoni-kalyana-dayinyai namah.
155. Om Jharjharayai namah.
156. Om Jhamuryai namah.
157. Om Jharayai namah.
158. Om Jharayai namah.
159. Om Jharatarayi namah.
160. Om parayai namah.
161. Om Jhanjhajhametayai namah.

162. Om Jhunkaryai namah.
163. Om Jhanayai namah.
164. Om Kalyandayinyai namah.
165. Om Eemanayai namah.
166. Om Manasyai namah.
167. Om chintyayai namah.
168. Om Eemunayai namah.
169. Om Shankar-priyayai namah.
170. Om Tankaryai namah.
171. Om Titikayai namah.
172. Om Teekayai namah.
173. Om Tankinyai namah
174. Om Ta-vargrayai namah.
175. Om Tapa-topayai namah.
176. Om Tatapatyai namah.
177. Om Tamanyai namah.
178. Om Taman-priyayai namah.
179. Om Tha-kar-dharinyai namah.
180. Om Theekayai namah.
181. Om Thhankaryai namah.
182. Om Thhikar-priyayai namah.
183. Om Thheka-thhasayai namah.
184. Om Thhaka-ratyai namah.
185. Om Thhaminyai namah.
186. Om Thhamana-priyayai namah.
187. Om Darahayai namah.
188. Om Dakinyai namah.
189. Om Darayai namah.
190. Om Damarayai namah.
191. Om Damara-priyayai namah.
192. Om Dakhinyai namah.
193. Om Dada-yuktayai namah.

194. Om Damaru-kar-vallabhayai namah.
195. Om Dhhakkayai namah.
196. Om Dhhakyai namah.
197. Om Dhhakkanadayai namah.
198. Om Dhhol-shabda-prabodhinyai namah.
199. Om Dhhaminyai namah.
200. Om Dhhamana-prityayai namah.
201. Om Dhhaga-tantra-prakashinyai namah.
202. Om Aneka-rupinyai namah.
203. Om Ambayai namah.
204. Om Anima-siddhi-dayinyai namah.
205. Om Amantrinyai namah.
206. Om Anukaryai namah.
207. Om Anumad-bhanu-sansthitayai namah.
208. Om Tarayai namah.
209. Om Tantravatyai namah.
210. Om Tantrayai namah.
211. Om Tatva-rupayai namah.
212. Om Tapasvinyai namah.
213. Om Taranginyai namah.
214. Om Tatvaparayai namah.
215. Om Tantrikayai namah.
216. Om Tantra-vigrahayai namah.
217. Om Tapo-rupayai namah.
218. Om Tatva-datrayai namah.
219. Om Tapah-priti-pragharshinyai namah.
220. Om Tantra-yantrayai namah.
221. Om Archana-parayai namah.
222. Om Talatal-nivashinyai namah.
223. Om Talpadayai namah.
224. Om Alpadayai namah.
225. Om Kamyayai namah.

226. Om Sthirayai namah.
227. Om Sthira-tarayai namah.
228. Om Sthityai namah.
229. Om Sthanu-priyayai namah.
230. Om Sthitiparayai namah.
231. Om Sthitayai namah.
232. Om Sthana-pradayinyai namah.
233. Om Digambarayai namah.
234. Om Daya-rupayai namah.
235. Om Davagni-damanyai namah.
236. Om Damayai namah.
237. Om Durgayai namah.
238. Om Durga-parayai Devyai namah.
239. Om Dushta-daitya-vinashinyai namah.
240. Om Damana-pramadayai namah.
241. Om Daitya-daya-dana-parayanayai namah.
242. Om Durgaratti-nashinyai namah.
243. Om Dantayai namah.
244. Om Dambhinyai namah.
245. Om Dambha-varjitayai namah.
246. Om Digamber-priyayai namah.
247. Om Dambhayai namah.
248. Om Daitya-dambha-vidarinyai namah.
249. Om Damanayai namah.
250. Om Dasana-sondaryayai namah.
251. Om Danava-indra-vinashinyai namah.
252. Om Daya-dharayai namah.
253. Om Damanyai namah.
254. Om Darbha-patra-vilasinyai namah.
255. Om Dharinyai namah.
256. Om Dhaarinyai namah.
257. Om Dhatrai namah.

258. Om Dharadhar-priyayai namah.
259. Om Dharadhara-suta-devyai namah.
260. Om Sudharmayai namah
261. Om Dharma-charinyai namah.
262. Om Dharmagyayai namah.
263. Om Dhavalayai namah.
264. Om Dhoolayai namah.
265. Om Dhandayai namah.
266. Om Dhana-vardhinyai namah.
267. Om Dheera-dheerayai namah.
268. Om Dheer-tarayai namah.
269. Om Dheer-siddhi-pradayinyai namah.
270. Om Dhanvantari-dharayai namah.
271. Om Dheerayai namah.
272. Om Dhyeyayai namah.
273. Om Dhyan-svarupinyai namah.
274. Om Narayanyai namah.
275. Om Narsinhayai namah.
276. Om Nityanandayai namah.
277. Om Narottamayai namah.
278. Om Naktayai namah.
279. Om Naktavatyai namah.
280. Om Nityayai namah.
281. Om Neeljimuta-sannibhayai namah.
282. Om Neelangyai namah.
283. Om Neel-vastrayai namah.
284. Om Neel-parvata-vasinyai namah.
285. Om Sunil-pushpa-khachitayai namah.
286. Om Neel-jambu-sama-prabhayai namah.
287. Om Nityakhyayai namah.
288. Om Shodashyai namah.
289. Om Vidhyayai namah.

290. Om Nityayai namah.
291. Om Nitya-sukhavahayai namah.
292. Om Narmadayai namah.
293. Om Nandanayai namah.
294. Om Nandayai namah.
295. Om Nandananda-vivardhinyai namah.
296. Om Yashoda-nanda-tanyayai namah.
297. Om Nanda-udhyana-vasinyai namah.
298. Om Nagantakayai namah.
299. Om Naga-vradhayai namah.
300. Om Naga-patnyai namah.
301. Om Naginyai namah.
302. Om Namita-shesh-jantayai namah.
303. Om Namaskara-vatyai namah.
304. Om Pitambarayai namah.
305. Om Parvatyai namah.
306. Om Pitambara-vibhushitayai namah.
307. Om Peeta-malya-ambara-dharayai namah.
308. Om peetabhayai namah.
309. Om Pinga-murdhajayai namah.
310. Om peet-pushpa-archana-ratayai namah.
311. Om Peet-pushpa-samarchitayai namah.
312. Om Par-prabhayai namah.
313. Om Pitra-pataye namah.
314. Om Para-sainya-vinashinyai namah.
315. Om Parmayai namah.
316. Om Paratantrayai namah.
317. Om Paramantrayai namah.
318. Om Parat-parayai namah.
319. Om Para-vidhyayai namah.
320. Om Para-siddyai namah.
321. Om Para-sthana-pradayinyai namah.

322. Om Pushpayai namah.
323. Om Pushpa-vatyai namah.
324. Om Nityayai namah.
325. Om Pushpa-mala-vibhushitayai namah.
326. Om Puratanayai namah.
327. Om Purva-parayai namah.
328. Om Para-siddhi-pradayinyai namah.
329. Om Peetayai namah.
330. Om Nitambinyai namah.
331. Om Peenonata-payah-stanyai namah.
332. Om Premayai namah.
333. Om Pramadhmayai namah.
334. Om Asheshayai namah.
335. Om Padma-patra-vilasinyai namah.
336. Om Padmavatyai namah.
337. Om Padma-netrayai namah.
338. Om Padmayai namah.
339. Om Peetayai namah.
340. Om Padma-mukhyai namah.
341. Om Parayai namah.
342. Om Padmasanayai namah.
343. Om Padma-priyayai namah.
344. Om Padma-raga-svarupinyai namah.
345. Om pavanyai namah.
346. Om Palikayai namah.
347. Om Patrai namah.
348. Om paradayai namah.
349. Om Vardayai namah.
350. Om Shivayai namah.
351. Om Preta-sansthayai namah.
352. Om Para-anandayai namah.
353. Om Para-Brahma-svarupinyai namah.

354. Om Om Jineshwara-priya-davyai namah.
355. Om Pashu-rakta-rati-priyayai namah.
356. Om Pashu-mansa-priyayai namah.
357. Om Aparnayai namah.
358. Om Paramrat-parayenayai namah.
359. Om Pashinyai namah.
360. Om Pashikayai namah.
361. Om Pashughnyai namah.
362. Om Pashu-bhashinyai namah.
363. Om Phullarvinda-vadnayai namah.
364. Om Phullotpala-sharirinyai namah.
365. Om Parananda-pradayai namah.
366. Om Veennayai namah.
367. Om Pashu-pasha-vinshinyai namah.
368. Om Phutkarayai namah.
369. Om Phutparayai namah.
370. Om Phenyai namah.
371. Om Phullendivara-lochanayai namah.
372. Om Phat-mantrayai namah.
373. Om Sphatikayai namah.
374. Om svahayai namah.
375. Om Sphotayai namah.
376. Om Phat-svarupinyai namah.
377. Om Sphatikayai namah.
378. Om Ghutikayai namah.
379. Om Ghorayai namah.
380. Om Sphatikadri-svarupinyai namah.
381. Om Varangnayai namah.
382. Om Varadharyai namah.
383. Om Varahyai namah.
384. Om Vasukyai namah.
385. Om Varayai namah.

386. Om Vindu-sthayai namah.
387. Om vanyai namah.
388. Om Vindu-chakra-nivasinyai namah.
389. Om Vindunyai namah.
390. Om Vidhyadharyai namah.
391. Om Vishalakshyai namah.
392. Om Kashi-vasi-jana-priyayai namah.
393. Om Veda-vidhyayai namah.
394. Om Virupakshyai namah.
395. Om Vishvayuje namah.
396. Om Bahu-rupinyai namah.
397. Om Brahma-shaktayai namah.
398. Om Vishnu-shaktayai namah.
399. Om Pancha-vaktrayai namah.
400. Om Shiva-priyayai namah.
401. Om Vaikuntha-vasini-devyai namah.
402. Om Vaikuntha-pada-dayinyai namah.
403. Om Brahma-rupayai namah.
404. Om Vishnu-rupayai namah.
405. Om Para-Brahma-Maheshavaryai namah.
406. Om Bhava-priyayai namah.
407. Om Bhavod-bhavayai namah.
408. Om Bhava-rupayai namah.
409. Om Bhavottamayai namah.
410. Om Bhava-parayai namah.
411. Om Bhava-dharayai namah.
412. Om Bhagyavata-priya-karinyai namah.
413. Om Bhadrayai namah.
414. Om Subhadrayai namah.
415. Om Bhavadayai namah.
416. Om Shumbha-daitya-vinashinyai namah
417. Om Bhavanyai namah.

418. Om Bhairavyai namah.
419. Om Bheemayai namah.
420. Om Bhadra-kalyai namah.
421. Om Subhadrikayai namah.
422. Om Bhaginyai namah.
423. Om Bhaga-rupayai namah.
424. Om Bhaga-manayai namah.
425. Om Bhagottamayai namah.
426. Om Bhaga-priyayai namah.
427. Om Bhaga-vatyai namah.
428. Om Bhaga-vasayai namah.
429. Om Bhaga-karayai namah.
430. Om Bhaga-srashtayai namah.
431. Om Bhagavatyai namah.
432. Om Bhaga-rupayai namah.
433. Om Bhagasinyai namah.
434. Om Bhaga-linga-priya devyai namah.
435. Om Bhaga-linga-parayanayai namah.
436. Om Bhaga-linga-svarupayai namah.
437. Om Bhaga-linga-vinodinyai namah.
438. Om Bhaga-linga-rata-devyai namah.
439. Om Bhaga-linga-nivasinyai namah.
440. Om Bhaga-malayai namah.
441. Om Bhaga-kalayai namah.
442. Om Bhaga-dharayai namah.
443. Om Bhaga-ambarayai namah.
444. Om Bhaga-vegayai namah.
445. Om Bhaga-bhushayai namah.
446. Om Bhagaendrayai namah.
447. Om Bhagya-rupinyai namah.
448. Om Bhaga-linganga-sambhogayai namah.
449. Om Bhaga-linga-savavahayai namah.

450. Om Bhaga-linga-samadhuryayai namah.
451. Om Bhaga-linga-niveshitayai namah.
452. Om Bhaga-linga –supujyayai namah.
453. Om Bhaga-linga-samanvitayai namah.
454. Om Bhaga-linga-viraktayai namah.
455. Om Bhaga-linga-samavratayai namah.
456. Om Madhavyai namah.
457. Om Madhavi-manyayai namah.
458. Om Madhurayai namah.
459. Om Madhu-maninyai namah.
460. Om Manda-hasayai namah.
461. Om Maha-mayayai namah.
462. Om Mohinyai namah.
463. Om Mahaduttmayai namah.
464. Om Maha-mohayai namah.
465. Om Maha-vidhyayai namah.
466. Om Maha-Ghorayai namah.
467. Om Maha-smratyai namah.
468. Om Manasvinyai namah.
469. Om Manavatyai namah.
470. Om Modinyai namah.
471. Om Madhurananayai namah.
472. Om menkayai namah.
473. Om Maninyai namah.
474. Om Manyayai namah.
475. Om Mani-ratna-vibhushitayai namah.
476. Om Mallikayai namah.
477. Om Maulikayai namah.
478. Om Malayai namah.
479. Om Maladhara-madottamayai namah.
480. Om Madanayai namah.
481. Om Sundaryai namah.

482. Om Medhayai namah.
483. Om Madhu-mattayai namah.
484. Om Madhu-priyayai namah.
485. Om Matta-hansa-samonnasayai namah.
486. Om Matta-sinha-mahasanyai namah.
487. Om Mahendra-vallabhayai namah.
488. Om Bhimayai namah.
489. Om Maulyayai namah.
490. Om Mithunatma-jayai namah.
491. Om Maha-kalayai namah.
492. Om Maha-kalyai namah.
493. Om Maha-budhyai namah.
494. Om Mahotkatayai namah.
495. Om Maheshvaryai namah.
496. Om Maha-mayayai namah.
497. Om Mahishasura-ghatinyai namah.
498. Om Madhuryai namah.
499. Om Kirti-mattayai namah.
500. Om Mattayai namah.
501. Om Matanga-gaminyai namah.
502. Om Mada-priyayai namah.
503. Om Mansa-ratayai namah.
504. Om Mattayuk-kam-karinyai namah.
505. Om Maithunya-vallabhayai-devyai namah.
506. Om Mahanandayai namah.
507. Om Mahot-savayai namah.
508. Om Marichyai namah.
509. Om Mayai namah.
510. Om Ratyai namah.
511. Om Mayayai namah.
512. Om Mano-buddhi-pradayinyai namah.
513. Om Mohayai namah.

514. Om Mokshayai namah.
515. Om Maha-laksamyai namah.
516. Om Mahat-pada-pradayinyai namah.
517. Om Yama-rupayai namah.
518. Om Yamunayai namah.
519. Om Jayantyai namah.
520. Om Jai-pradayai namah.
521. Om Yamyayai namah.
522. Om Yama-vatyai namah.
523. Om Yuddhayai namah.
524. Om Yadoh-kula-vivardhinyai namah.
525. Om Ramayai namah.
526. Om Raamayai namah.
527. Om Rama-patniyai namah.
528. Om Ratna-malayai namah.
529. Om Rati-priyayai namah.
530. Om Ratna-sinhasana-sthayai namah.
531. Om Ratn-abharana-manditayai namah.
532. Om Ramanyai namah.
533. Om Ramaniyayai namah.
534. Om Ratyayai namah.
535. Om Rasa-parayanayai namah.
536. Om Rata-nandayai namah.
537. Om Rata-vatyai namah.
538. Om Raghoonankula-vardhinyai namah.
539. Om Ramana-ari-pari-bhrajyayai namah.
540. Om Raidhayai namah.
541. Om Radhik-ratna-jayai namah.
542. Om Ravyai namah.
543. Om Rasa-svarupayai namah.
544. Om Ratri-raja-sukha-avahayai namah.
545. Om Ritujayai namah.

546. Om Ritudayai namah.
547. Om Riddhayai namah.
548. Om Ritu-rupayai namah.
549. Om Ritu-priyayai namah.
550. Om Rakta-priyayai namah.
551. Om Rakta-vatyai namah.
552. Om Ranginyai namah.
553. Om Rakta-dantikayai namah.
554. Om Lakshamyai namah.
555. Om Lajjayai namah.
556. Om Latikayai namah.
557. Om Leela-lagnyai namah.
558. Om Nitakshinyai namah.
559. Om Leelayai namah.
560. Om Leelavatyai namah.
561. Om Lomayai namah.
562. Om Harshalhadan-pattikayai namah.
563. Om Brahm-sthitayai namah.
564. Om Brahm-rupayai namah.
565. Om Brahma-vide namah.
566. Om Veda-vanditayai namah.
567. Om Brahmod-Bhavayai namah.
568. Om Brahma-kalayai namah.
569. Om Brahmanyai namah.
570. Om Brahma-bodhinyai namah.
571. Om Vedanga-nayai namah.
572. Om Veda-rupayai namah.
573. Om Banitayai namah.
574. Om Bintayai namah.
575. Om Vasayai namah.
576. Om Balayai namah.
577. Om Yuvatyai namah.

578. Om Vradhayai namah.
579. Om Brahma-karma-parayanayai namah.
580. Om Vindhyasthayai namah.
581. Om Vindhya-vasyai namah.
582. Om Bindu-bhuje namah.
583. Om Bindu-bhushanayai namah.
584. Om Vidhya-vatyai namah.
585. Om Veda-dharyai namah.
586. Om Vyapikayai namah.
587. Om Barhini-kalayai namah.
588. Om Vamachara-priyayai namah.
589. Om Vahnyai namah.
590. Om Vamachara-parayenayai namah.
591. Om Vamachara-rata-devyai namah.
592. Om Vama-deva-priyottamayai namah.
593. Om Buddhendriyayai namah.
594. Om Vibuddhayai namah.
595. Om Buddhacharana-malinyai namah.
596. Om Bandha-mochana-kartriyai namah.
597. Om Vaarunayai namah.
598. Om Varunalyayai namah.
599. Om Shiva-shiv-priyayai namah.
600. Om Shuddhayai namah.
601. Om Shuddhangyai namah.
602. Om Shukla-varnikayai namah.
603. Om Shukla-pushpa-priyayai namah.
604. Om Shuklayai namah.
605. Om Shiva-dharama-parayenayai namah.
606. Om Shukla-sthayai namah.
607. Om Shuklinyai namah.
608. Om Shukla-rupayai namah.
609. Om Shukla-pashu-priyayai namah.

610. Om Shukra-sthayai namah.
611. Om Shukrinyai namah.
612. Om Shukrayai namah.
613. Om Shukra-rupayai namah.
614. Om Shukrikayai namah.
615. Om Shanamukhyai namah
616. Om Shanangayai namah.
617. Om Shata-chakra-vini-vashinyai namah.
618. Om Shada-granthi-yuktayai namah.
619. Om Shodhayai namah.
620. Om Shana-Matayai namah.
621. Om Shadatmikayai namah.
622. Om Shadanga-yuvatyai-devyai namah.
623. Om Shadanga-prakratir-vashyai namah.
624. Om Shadananayai namah.
625. Om Shada-astrayai namah.
626. Om Shashtthyai namah.
627. Om Shashttheshvari-priyayai namah.
628. Om Shadja-vadayai namah.
629. Om Shodashyai namah.
630. Om Shodha-nyasa-svarupinyai namah.
631. Om Shata-chakra-bhedana-karyai namah.
632. Om Shata-chakrastha-svarupinyai namah.
633. Om Shodasha-svara-rupayai namah.
634. Om Shanmukhyai namah.
635. Om Shat-padanvitayai namah.
636. Om Sanakadi-svarupayai namah.
637. Om Shiva-dharma-parayenayai namah.
638. Om Siddhayai namah.
639. Om Sapta-svaryai namah.
640. Om Shuddhayai namah.
641. Om Sura-matayai namah.

642. Om Svarottamayai namah.
643. Om Siddha-vidhyayai namah.
644. Om Siddha-matayai namah.
645. Om Siddhayai namah.
646. Om Siddha-svarupinyai namah.
647. Om Harayai namah.
648. Om Hari-Priyayai namah.
649. Om Harayai namah.
650. Om Harinyai namah.
651. Om Hariyuje namah.
652. Om Hari-rupayai namah.
653. Om Hari-dharayai namah.
654. Om Harinna-akshayai namah.
655. Om Hari-priyayai namah.
656. Om Hetu-priyayai namah.
657. Om Hetu-ratayai namah.
658. Om Hitahita-svarupinyai namah.
659. Om Kshamayai namah.
660. Om Kshama-vatyai namah.
661. Om Ksheetayai namah.
662. Om Kshudra-ghanta-vibhushanayai namah.
663. Om Kshayankaryai namah.
664. Om Kshitishayai namah.
665. Om Ksheenna-madhya-sushobhitayai namah.
666. Om Ajaayai namah.
667. Om Anantayai namah.
668. Om Aparnayai namah.
669. Om Ahalyayai namah.
670. Om Shesha-shayinyai namah.
671. Om Svantargatayai namah.
672. Om Sadhunama-antrayai Ananta-rupinyai namah.
673. Om Arupayai namah.

674. Om Amalayai namah.
675. Om Arddhayai namah.
676. Om Ananta-guna-shalinyai namah.
677. Om Sva-viddhyayai namah.
678. Om Vidyakayai namah.
679. Om Vidyayai namah.
680. Om Avidyayai namah.
681. Om Arvinda-lochanayai namah.
682. Om Aparajitayai namah.
683. Om Jatavedayai namah.
684. Om Ajapayai namah.
685. Om Amaravatyai namah.
686. Om Alpayai namah.
687. Om Svalpayai namah.
688. Om Analpadhyayai namah.
689. Om Annima-siddhi-dayinyai namah.
690. Om Ashta-siddhi-pradayai Devyai namah.
691. Om Roopa-lakshana-sanyutayai namah.
692. Om Arvindamukhi Devyai namah.
693. Om Bhoga-saukhya-pradayinyai namah.
694. Om Aadi-vidhyayai namah.
695. Om Aadi-bhutayai namah.
696. Om Aadi-siddhi-pradayinyai namah.
697. Om Seetkar-rupini-devyai namah.
698. Om Sarvasana-vibhushitayai namah.
699. Om Indra-priyayai namah.
700. Om Indranyai namah.
701. Om Indra-prastha-nivasinyai namah.
702. Om Indrakshayai namah.
703. Om Indra-vajrayai namah.
704. Om Indra-vandhyayai namah.
705. Om Ukshinyai namah.

706. Om Eelayai namah.
707. Om Kama-nivasayai namah.
708. Om Ishwarishwara-vallabhayai namah.
709. Om Jananyai namah.
710. Om Ishwaryai namah.
711. Om Deenayai namah.
712. Om Bhedayai namah.
713. Om Ishwara-karama-krate namah.
714. Om Uma-katyayanyai namah.
715. Om Udhavayai namah.
716. Om Meenayai namah.
717. Om Uttar-vashinyai namah.
718. Om Uma-pati-priyayai devyai namah.
719. Om Shivayai namah.
720. Om Omkara-rupinyai namah.
721. Om Urgendra-shiro-ratnayai namah.
722. Om Urgoraga-vallabhayai namah.
723. Om Udyana-vashinyai namah.
724. Om Malayai namah.
725. Om Prashasta-mani-bhushanayai namah.
726. Om Udharva-dantotta-mangyai namah.
727. Om Uttamayai namah.
728. Om Udhava-keshinyai-Umayai namah.
729. Om Siddhi-pradayai namah.
730. Om Urgasana-sansthitayai namah.
731. Om Rishi-putriyai namah.
732. Om Rishichchhandayai namah.
733. OM Riddhi-siddhi-pradayinyai namah.
734. Om Utsavotsava-simantayai namah.
735. Om Kamikayai namah.
736. Om Gunanvitayai namah.
737. Om Elayai namah.

738. Om Akara-vidhyayai namah.
739. Om Anyai namah.
740. Om Vidhya-dharayai namah.
741. Om Omkara-valyo-petayai namah.
742. Om Omkara-parama-kalayai namah.
743. Om Om Vada-vada-vanyai namah.
744. Om Omkarakshara-manditayai namah.
745. Om Endriyai namah.
746. Om Kulish-hastayai namah.
747. Om Om Para-loka-vasinyai namah.
748. Om Omkara-madhya-beejayai namah.
749. Om Om-namo-rupa-dharinyai namah.
750. Om Para-brahma-svarupayai namah.
751. Om Anshukanshuka-vallabhayai namah.
752. Om Omkarayai namah.
753. Om Ah-phada-mantrayai namah.
754. Om Akshakshara-vibushitayai namah.
755. Om Amantrayai namah.
756. Om Mantra-rupayai namah.
757. Om Pada-shobha-samanvitayai namah.
758. Om Pranavomkara-rupayai namah.
759. Om Pranavochchara-bhaje namah.
760. Om Hreenkara-rupayai namah.
761. Om Hreenkaryai namah.
762. Om Vaga-Beejakshara-bhushanayai namah.
763. Om Hrallekhayai namah.
764. Om Siddhi-yogayai namah.
765. Om Hrata-padmasana-sansthitayai namah.
766. Om Beejakhyayai namah.
767. Om Netra-hradayayai namah.
768. Om Hreem-beejayai namah.
769. Om Bhuvaneshawaryai namah.

770. Om Kleem-kama-rajayai namah.
771. Om Klinnayai namah.
772. Om Chatur-varga-phala-pradayai namah.
773. Om Kleem-kleem-kleem rupika devyai namah.
774. Om Kreem-kreem-kreem nama-dharinyai namah.
775. Om Kamalayai namah.
776. Om Shakti-beejayai namah.
777. Om Pasha-ankusha-vibhushitayai namah.
778. Om Shreem Shreenkaryai namah.
779. Om Mahavidhyayai namah.
780. Om Shraddhayai namah.
781. Om Shraddha-vatyai namah.
782. Om Aim kleem Hreem Shreem Parayai namah.
783. Om Kleenkari-parama-kalayai namah.
784. Om Hreem Kleem Shrinkara-rupayai namah.
785. Om Sarva-karma-phala-pradayai namah.
786. Om Sarvaddhyayai namah.
787. Om Sarva-devyai namah.
788. Om Sarva-siddhi-pradayai namah.
789. Om Sarvagyayai namah.
790. Om Sarva-shaktyayai namah.
791. Om Vaga-vibhuti-pradayinyai namah.
792. Om Sarva-moksha-prada-devyai namah.
793. Om Sarva-bhoga-pradayinyai namah.
794. Om Gunendra-vallabhayai namah.
795. Om Vamayai namah.
796. Om Sarva-shakti-Pradayinyai namah.
797. Om Sarvananda-mayyai namah.
798. Om Sarva-siddhi-pradayinyai namah.
799. Om Sarva-chakreshwari-devyai namah.
800. Om Sarva-siddheshvaryai namah.
801. Om Sarva-priyankaryai namah.

802. Om Sarva-sokhya-pradayinyai namah.
803. Om Sarvananda-prada-devyai namah.
804. Om Brahmananda-pradayinyai namah.
805. Om Mano-vanchchhita-datryai namah.
806. Om Mano-buddhi-samanvitayai namah.
807. Om Akaradi-aksha-karantayai namah.
808. Om Varna-vigraha-rupinyai namah.
809. Om Padma-netrayai namah.
810. Om Sunetrayai namah.
811. Om Svadha-svaha-vashat-karyai namah.
812. Om Sva-vargayai namah.
813. Om Deva-vargayai namah.
814. Om Tavargena-samanvitayai namah.
815. Om Anta-sthayai namah.
816. Om Veshma-rupayai namah.
817. Om Nava-durgayai namah.
818. Om Narottamayai namah.
819. Om Tatva-siddhi-pradayai namah.
820. Om Neelayai namah.
821. Om Neela-patakinyai namah.
822. Om Nitya-rupayai namah.
823. Om Nisha-karyai namah.
824. Om Stambhinyai namah.
825. Om Mohinyai namah.
826. Om Vashankaryai namah.
827. Om Uchchatyai namah.
828. Om Unmadhyai namah.
829. Om Aakarshinyai namah.
830. Om Matangyai namah.
831. Om Madhu-mattayai namah.
832. Om Animayai namah.
833. Om Laghimayai namah.

834. Om Siddhayai namah.
835. Om Moksha-pradayai namah.
836. Om Nityayai namah.
837. Om Nityananda-pradayinyai namah.
838. Om Raktangyai namah.
839. Om Rakta-netrayai namah.
840. Om Rakta-chandana-bhushitayai namah.
841. Om Svalpa-sidhyai namah.
842. Om Sukalpayai namah.
843. Om Divya-charana-shukrabhayai namah.
844. Om Sankantyai namah.
845. Om Sarva-vidhyayai namah.
846. Om Sapta-vasara-bhushitayai namah.
847. Om Prathamayai namah.
848. Om Dvityayai namah.
849. Om Tratiyayai namah.
850. Om Chaturthikayai namah.
851. Om Panchamyai namah.
852. Om Shashtthyai namah.
853. Om Vishuddha-saptamyai namah.
854. Om Ashtamyai namah.
855. Om Navamyai namah.
856. Om Dashamyai namah.
857. Om Ekadashyai namah.
858. Om Dvadashyai namah.
859. Om Trayodashyai namah.
860. Om Chaturdashyai namah.
861. Om Purnimayai namah.
862. Om Amavasyayai namah.
863. Om Purvayai namah.
864. Om Uttarayai namah.
865. Om Pari-purnimayai namah.

866. Om Khadginyai namah.
867. Om Chakrinyai namah.
868. Om Ghorayai namah.
869. Om Gadinyai namah.
870. Om Shulinyai namah.
871. Om Bhushundyai namah.
872. Om Chapinyai namah.
873. Om Banayai namah.
874. Om Sarvayudh-vibhushnayai namah.
875. Om kuleshvaryai namah.
876. Om Kulvatyai namah.
877. Om Kulachara-parayenayai namah.
878. Om Kul-karma-suraktayai namah.
879. Om Kulachara-pravardhinyai namah.
880. Om Keertyai namah.
881. Om Shriyai namah.
882. Om Ramayai namah.
883. Om Raamayai namah.
884. Om Dharmayai namah.
885. Om Kshamayai namah.
886. Om Dhratyai namah.
887. Om Smratyai namah.
888. Om medhayai namah.
889. Om Kalpa-vraksha-nivasinyai namah.
890. Om Ugraya namah.
891. Om Ugra-prabhayai namah.
892. Om Gauryai namah.
893. Om Veda-vidhya-vibodhinyai namah.
894. Om Sadhyayai namah.
895. Om Siddhayai namah.
896. Om Susiddhayai namah.
897. Om Vipra-rupayai namah.

898. Om Kalyai namah.
899. Om Karalyai namah.
900. Om Kalyayai namah.
901. Om Kala-daitya-vinashinyai namah.
902. Om Kaulinyai namah.
903. Om Kalikyai namah.
904. Om Ka, Cha, Ta, Ta, Pa Varnikayai namah.
905. Om Jayinyai namah.
906. Om Jai-yuktayai namah.
907. Om Jai-dayai namah.
908. Om Jrambhinyai namah.
909. Om sravinyai namah.
910. Om Dravinyai namah.
911. Om Bherundrayai namah.
912. Om Vindhya-vashinyai namah.
913. Om Jyotirbhutayai namah.
914. Om Jaidayai namah.
915. Om Jwala-mala-samakulayai namah.
916. Om Bhinnayai namah.
917. Om Bhinna-prakashayai namah.
918. Om Vibhinnayai namah.
919. Om Bhinna-rupinnyai namah.
920. Om Ashwinyai namah.
921. Om Bharanyai namah.
922. Om Nakshatra –Sambhavayai namah.
923. Om Anilayai namah.
924. Om Kashyapyai namah.
925. Om Vintayai namah.
926. Om Khyatayai namah.
927. Om Ditijayai namah.
928. Om Dityai namah.
929. Om Keetyai namah.

930. Om Kama-priyayai-devyai namah.
931. Om Keerttyayai namah.
932. Om Keerti-vivardhinyai namah.
933. Om Sadhyo-mansa-samalabdhayai namah.
934. Om Sadhyashchhinnasi-shankarayai namah.
935. Om Dakshinayai namah.
936. Om Uttarayai namah.
937. Om Purvayai namah.
938. Om Pashchimayai namah.
939. Om Agni-nairirti-vayavyai-Ishanyai dishe namah.
940. Om Udharvangayai namah.
941. Om Adho-gatayai namah.
942. Om Shvetayai namah.
943. Om Krashnayai namah.
944. Om Raktayai namah.
945. Om Peetakayai namah.
946. Om Chatur-vargayai namah.
947. Om Chatur-varnayai namah.
948. Om Chatur-maatratmikayai namah.
949. Om Aksharayai namah.
950. Om Chaturmukhyai namah.
951. Om Chaturvedayai namah.
952. Om Chatur-vidhyayai namah.
953. Om Chatur-mukhayai namah.
954. Om Chatur-ganayai namah.
955. Om Chatur-matayai namah.
956. Om Chatur-varga-phala-pradayai namah.
957. Om Dhatrai namah.
958. Om Vidhatrai namah.
959. Om Mithunayai namah.
960. Om Naryai namah.
961. Om Nayaka-vashinyai namah.

962. Om Surayai namah.
963. Om Mudayai namah.
964. Om Modavatyai namah.
965. Om Modinyai namah.
966. Om Menakatmajayai namah.
967. Om Udharva-kalyai namah.
968. Om Siddhi-kalyai namah.
969. Om Dakshinayai Kalikayai namah.
970. Om Shivayai namah.
971. Om Nilyayai namah.
972. Om Sarasvatyai namah.
973. Om Satvayai namah.
974. Om Bagalayai namah.
975. Om Chhinnamastikayai namah.
976. Om Sarveshwaryai namah.
977. Om Siddha-vidhyayai namah.
978. Om Parayai namah.
979. Om Parama-devatayai namah.
980. Om Hingulayai namah.
981. Om Hingulangyai namah.
982. Om Hinguladhara-vasinyai namah.
983. Om Hingulottama-varnabhayai namah.
984. Om Hingula-varnayai namah.
985. Om Jagratyai namah.
986. Om Jaganmatayai namah.
987. Om Jagadishwar-vallabhayai namah.
988. Om Janardana-priyayai devyai namah.
989. Om Jai-yuktayai namah.
990. Om Jai-pradayai namah.
991. Om Jagadananda-karyai namah.
992. Om Jagadalhada-karinyai namah.
993. Om Gyana-dana-karyai namah.

994. Om Yagyayai namah.
995. Om Janakyai namah.
996. Om Janaka-priyayai namah.
997. Om Jayantyai namah.
998. Om Jaidayai namah.
999. Om Nityayai namah.
1000. Om Jvalada-Agni-sama-prabhayai namah.
1001. Om Vimba-dharayai namah.
1002. Om Bimboshtthyai namah.
1003. Om Kailashachala-vaasinyai namah.
1004. Om Vibhavayai namah.
1005. Om Vadvagnyai namah.
1006. Om Agni-hotra-phal-pradayai namah.
1007. Om Mantra-rupayai namah.
1008. Om Para-devyai namah.
1009. Om Guru-rupinyain namah.
1010. Om Gayayai namah.
1011. Om Gangayai namah.
1012. Om Gomatyai namah.
1013. Om Prabhasayai namah.
1014. Om Pushkarayai namah.
1015. Om Vindhyachala Ratayai devyai namah.
1016. Om Vindhyachala nivasinyai namah.
1017. Om Bahu-bahu-sundaryai namah.
1018. Om Kansasura-vinasinyai namah.
1019. Om Shulinyai namah.
1020. Om Shula-hastayai namah.
1021. Om Vajrayai namah.
1022. Om Vajra-harayai namah.
1023. Om Durgayai namah.
1024. Om Shivayai namah.
1025. Om Shanti-karyai namah.

1026. Om Brahmanyai namah.
1027. Om Brahmana-priyayai namah.
1028. Om Sarva-loka-pranetrayai namah.
1029. Om Sarva-roga-Harayai namah.
1030. Om Mangalayai namah.
1031. Om Shobhanayai namah.
1032. Om Shuddhayai namah.
1033. Om Nishkalayai namah.
1034. Om Parama-kalayai namah.
1035. Om Vishveshwaryai namah.
1036. Om Vishva-matayai namah.
1037. Om Lalitayai namah.
1038. Om Vasitananayai namah.
1039. Om Sada-shivayai namah.
1040. Om Umayai namah.
1041. Om Kshemayai namah.
1042. Om Chandikayai namah.
1043. Om Chanda-vikramayai namah.
1044. Om Sarva-deva-mayyai namah.
1045. Om Sarvagama-Bhayapahayai namah.
1046. Om Brahmesha-vishnu-Namitayai namah.
1047. Om Sarva-kalyana-karinyai namah.
1048. Om Yoginyai namah.
1049. Om Yoga-matayai namah.
1050. Om Yogindra-hradaya-sthitayai namah.
1051. Om Yogi-jayayai namah.
1052. Om Yogavatyai namah.
1053. Om Yogindrananda-yoginyai namah.
1054. Om Indradi-namita-devyai namah.
1055. Om Ishwaryai namah.
1056. Om Ishwara-priyayai namah.
1057. Om Vishuddhi-dayai namah.

1058. Om Bhaya-harayai namah.
1059. Om Bhakta-dveshi-Bhayankaryai namah.
1060. Om Bhava-veshayai namah.
1061. Om Kaminyai namah.
1062. Om Bherundayai namah.
1063. Om Bhaya-karinyai namah.
1064. Om Balabhadra-priya-karayai namah.
1065. Om Sansara-arnava-tarinyai namah.
1066. Om Pancha-bhootayai namah.
1067. Om Sarva-bhootayai namah.
1068. Om Vibhutaye namah.
1069. Om Bhooti-dharinyai namah.
1070. Om Singha-vahayai namah.
1071. Om Maha-mohayai namah.
1072. Om Moha-pasha-vinashinyai namah.
1073. Om Mandurayai namah.
1074. Om Madirayai namah.
1075. Om Mudrayai namah.
1076. Om Mudra-mudgara-dharinyai namah.
1077. Om Savitryai namah.
1078. Om Maha-devyai namah.
1079. Om Para-priya-vinayekayai namah.
1080. Om Yama-dutyai namah.
1081. Om Pingakshayai namah.
1082. Om Vaishnavyai namah.
1083. Om Shankaryai namah.
1084. Om Chandra-priyayai namah.
1085. Om Chandra-ratayai namah.
1086. Om Chandra-naranya-vasinyai namah.
1087. Om Chandranendra-samayuktayai namah.
1088. Om Chanda-daitya-vinasinyai namah.
1089. Om Sarveshvaryai namah.

1090. Om Yakshinyai namah.
1091. Om Kiratyai namah.
1092. Om Rakshasyai namah.
1093. Om Maha-bhogawati-devyai namah.
1094. Om Maha-moksha-pradayinyai namah.
1095. Om Vishva-hantryai namah.
1096. OM Vishva-rupayai namah.
1097. Om Vishva-sanhara-karinyai namah.
1098. Om Dhatryai namah.
1099. Om Sarva-lokanam-hita-karana- karinyai namah.
1100. Om Kamalayai namah.
1101. Om Sukshama-dayai-devyai namah.
1102. Om Dheerayai namah.
1103. Om Hara-vinashinyai namah.
1104. Om Surendra-pujitayai namah.
1105. Om Siddhayai namah.
1106. Om Maha-tejovatyai namah.
1107. Om Para-rupa-vatyai namah.
1108. Om Trailokya-aakarshana-karinyai namah.

Shri Yogeshwaranand Ji

+919917325788, +919675778193

shaktisadhna@yahoo.com

www.anusthanokarehasya.com

www.baglamukhi.info

www.facebook.com/yogeshwaranandji

My dear readers! Very soon I am going to start an E-mail based free of cost monthly magazine related to tantras, mantras and yantras including practical uses for human welfare. I request you to appreciate me, so that I can change my dreams into reality regarding the service of humanity through blessings of our saints and through the grace of Ma Pitambara. Please make registered to yourself and your friends. For registration email me at shaktisadhna@yahoo.com. Thanks

Some Of the Books Written By Shri Yogeshwarnand Ji

For Purchasing all the books written By Shri Yogeshwaranand Ji Please Contact 9410030994

1. Baglamukhi Sadhna Aur Siddhi
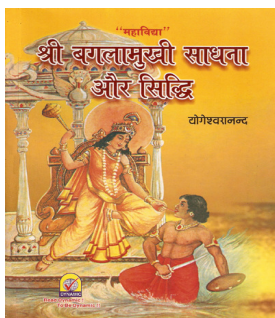
2. **Mantra Sadhna**

3. **Shodashi Mahavidya**